Lecture on Energy Conservation

Report

In collaboration with IQAC, the Govt. Degree College Chail-Koti organized a special lecture on Energy Conservation on 11 September 2025. Sh. Anurag Prashar, formerly the Additional Director cum Advisor to Himachal Pradesh State Electricity Board, was the resource person. In his discourse, he illustrated on the significance and need of energy conservation in Himachal Pradesh and provided insight into how we can save electricity while performing our daily domestic activities. He further stated that saving electricity will not only reduce the economic burden on consumers but will also make them contribute to the state revenue. Additionally, she also touched upon the safety measures that need to be taken to ensure the safety of both the consumers and the field workers form electricity department. He also told the students about how to avoid and manage the electricity shocks.

He also told the students about the prospect of employment in the department of electricity and told about various competitive examinations that students can take.

हिमाचल में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने का उपाय है विद्युत बचत

प्रचण्ड समय . शिमला

हिमाचल प्रदेश में हो रहे विकास के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति की मांग बढ़ती ही जा रही है। इसके लिए जहां विद्युत उत्पादन को प्रदेश में बढ़ावा दिया जा रहा है वहीं विद्युत बचत कर, विद्युत उत्पादन में भी सहयोग किया जा सकता है, क्योंकि विद्युत बचत भी एक प्रकार का विद्युत उत्पादन ही है।

यह जानकारी देते हुए बोर्ड के सलाहकार अनुराग पराशर ने कहा कि विद्युत की मांग और इसकी आपूर्ति में अन्तर बढ़ता जा रहा है जिसमें भी विद्युत बचत एक प्रमुख भूमिका निभा सकती है। उन्होंने यह जानकारी जिला शिमला के राजकीय महाविद्यालय चायल कोटी में शिमला विद्युत मंडल-1 के तहत दी। उन्होंने कहा कि विद्युत नियामक आयोग के निर्देशानुसार पब्लिक इंटरेक्शन कार्यक्रम के अन्तर्गत बोर्ड लिमिटेड द्वारा इस तरह की जागरूकता बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। अनुराग पराशर ने कहा कि आज

के इस आधुनिक युग में उपभोक्ताओं तथा समाज के सभी वर्ग के लोगों को बिजली तथा इससे सम्बन्धित जानकारी होना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि आम-जनमानस को रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले जैसे टी0वी0, फ्रिज, गिजर, लाईटों इत्यादि अन्य बिजली उपकरणों का प्रयोग आवश्कता अनुसार ही करना चाहिए जिससे न केवल स्वंय के विद्युत बिलों में बचत होना स्वभाविक है बल्कि सरकार के राजस्व में भी इजाफा किया जा सकता है।

उन्होंने दैनिक कार्यों में ख़ास कर आजकल बरसात के मौसम विद्युत सुरक्षा के बारे में सचेत रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति सम्बन्धित किसी भी तरह की रूकावट आने की दिशा में बोर्ड के टोल फ्री न0 1800-180-8060 या 1912 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर बिजली बोर्ड कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि बिजली बोर्ड के कर्मचारियों के अन्थक प्रयासों से प्रदेश में प्रभावी विद्युत प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बिजली बोर्ड द्वारा प्रदद की जा रही सेवाओं को बेहतरीन बताया। उन्होंने कहा कि बोर्ड में विभिन्न प्रयासों के चलते ही बोर्ड को इस वर्ष 315 करोड़ रूपए का जहां लाभ प्राप्त हुआ है वहीं विद्युत उपभोक्ताओं के लिए कई ऑनलाईन सुविधाएं भी शुरू की गई है जैसे हाल ही में ऑन लाईन ''मल्टीपल बिल भुगतान पोर्टल'' विद्युत उपभोक्ताओं के कई विद्युत खातों के बिजली बिलों को भुगतान एक ही बार करने का एक कुशल समय बचाने का सुविधाजनक तरीका है।

इस बैठक के कार्यक्रम का संचालन डा0 अजय कैथ ने किया। महाविद्यालय के प्रिंसिपल डा0 सुभाष कापटा ने सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने के लिए बोर्ड का धन्यवाद किया और सूचना प्रबन्धन को जीवन में अपनाने का विद्यार्थियों से आह्वान किया,जिससे जीवन में सफलता प्राप्त की जा सके। इस अवसर पर बोर्ड के लाईनमेन दिनेश, टी-मेट मनोज तथा अमित भी उपस्थित रहे।

डिग्री कॉलेज चायल कोटी में विद्यार्थियों को दिए बिजली बचत के टिप्स

शिमला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश में हो रहे विकास के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति की मांग बढ़ती ही जा रही है। इसके लिए जहां विद्युत उत्पादन को प्रदेश में बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं, विद्युत बचत कर, विद्युत उत्पादन में भी सहयोग किया जा सकता है। राज्य विद्युत बोर्ड के सलाहकार अनुराग पराशर ने राजकीय महाविद्यालय चायल कोटी में विद्यार्थियों को विद्युत उत्पादन और बचत बारे आयोजित एक दिवसीय शिविर में संवाद करते हुए दी। उन्होंने कहा कि विद्युत की मांग और इसकी आपूर्ति में अंतर बढ़ता जा रहा हैं, जिसमें भी विद्युत बचत एक प्रमुख भूमिका निभा सकती है। बताया कि आज के इस आधुनिक युग में उपभोक्ताओं तथा समाज के सभी वर्ग के लोगों को बिजली तथा इससे संबंधित जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आम-जनमानस को रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले जैसे टीवी, फ्रिज, गिजर, लाईटों इत्यादि अन्य बिजली उपकरणों का प्रयोग आवश्कता अनुसार ही करना चाहिए जिससे न केवल स्वंय के विद्युत बिलों में बचत होना स्वभाविक है, बल्कि सरकार के राजस्व में भी इजाफा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति संबंधित किसी भी तरह की रुकावट आने की दिशा में बोर्ड के टोल फ्री नं. 1800-180-8060 या 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने इस अवसर पर बिजली बोर्ड कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि बिजली बोर्ड के कर्मचारियों के अन्थक प्रयासों से प्रदेश में प्रभावी विद्युत प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि बोर्ड में विभिन्न प्रयासों के चलते ही बोर्ड को इस वर्ष 315 करोड़ रूपए का जहां लाभ प्राप्त हुआ है वहीं विद्युत उपभोक्ताओं के लिए कई ऑनलाईन सुविधाएं भी शुरू की गई है जैसे हाल ही में ऑन लाईन ''मल्टीपल बिल भुगतान पोर्टल'' विद्युत उपभोक्ताओं के कई विद्युत खातों के बिजली बिलों को भुगतान एक ही बार करने का एक कुशल समय बचाने का सुविधाजनक तरीका है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुभाष कापटा ने विद्युत सम्बधी जानकारी प्रदान करने के लिए बोर्ड का धन्यवाद किया।

बिजली उपकरणों का कम करें इस्तेमाल : अनुराग

जुन्गा (शिमला)। प्रदेश में हो रहे विकास के दृष्टिगत विद्युत आपूर्ति की मांग बढ़ती जा रही है। इसके लिए जहां विद्युत उत्पादन को प्रदेश में बढ़ावा दिया जा रहा है वहीं बिजली बचत कर भी सहयोग किया जा सकता है।

राज्य विद्युत बोर्ड के सलाहकार अनुराग पराशर ने यह बात राजकीय महाविद्यालय चायल कोटी में कही। उन्होंने विद्यार्थियों को विद्युत उत्पादन और बचत करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिजली की मांग और इसकी आपूर्ति में अंतर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों को रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले टीवी, फ्रिज, गीजर और विद्युत उपकरणों का आवश्यकता अनुसार ही उपयोग करना चाहिए। विद्युत आपूर्ति संबंधित किसी भी शिकायत को लेकर बोर्ड के टोल फ्री नंबर 1800-180-8060 या 1912 पर संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने इस साल 315 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुभाष कापटा ने जानकारी देने के लिए विद्युत बोर्ड का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजय कैथ ने किया। इस अवसर पर बोर्ड के लाइनमैन दिनेश, टी-मेट मनोज और अमित